SONY – ZEE MERGER DEADLINE TICKING

Sony – Zee merger deadline is getting closer and needs to address the painpoints to close the deal.

The Zee Entertainment Enterprises announced that it is working towards bringing its merger with Culver Max Entertainment (Sony Group Corporation) to fruition. The former reiterated in its response to stock exchanges that it is working towards a successful closure of the merger in accordance with the Composite Scheme of Arrangement approved by the NCLT, Mumbai Bench.

ZEEL wants to put Punit Goenka at the helm of the merged entity, but Sony wants to field its own chief executive NP Singh for the position, owing to Goenka's involvement in an ongoing fund diversion case with Securities Exchange Board of India.

Goenka believes that the agreement was based on this very fact that he will be leading the merged unit, sources told ET NOW. The conflict on who will lead the merged entity arose as Sony has pushed its India head NP Singh as the CEO of the merged entity. Sony wants Singh to be at the helm saying that market regulator SEBI has yet not given a clean chit to Goenka.

This leadership issue needs to be resolved before the deadline because the merger needs to be completed by December 21, which was the agreement signed between the two parties. As far as the process is concerned, Zee and Sint need to move to I&B ministry for filing as the approval has to be obtained before moving to ROC to get the merger completed. ■

समय सीमा तय हो गयी है सोनी–जी विलय की

सोनी–जी विलय की समय सीमा करीब आ रही है और सौदे को पूरा करने के लिए समस्याओं को दूर करने की जरूरत है।

जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज ने घोषणा की कि वह कल्वर मैक्स एंटरटेनमेंट (सोनी ग्रुप कॉर्पोरेशन) के साथ विलय को सफल बनाने की दिशा में काम कर रहा है। स्टॉक एक्सचेंजों को अपनी प्रतिक्रिया में जी ने दोहराया कि वह, एनसीएलटी, मुंबई बेंच द्वारा अनुमोदित व्यवस्था की समग्र योजना के अनुसार विलय को सफलतापूर्वक पूरा करने की दिशा में काम कर रहा है।

जेडईईएल विलय की गयी इकाई के शीर्ष पर पुनीत गोयनका को बिठाना चाहता है, लेकिन भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड के साथ चल रहे फंड डायवर्जन मामले में गोयनका की भागीदारी के कारण, सोनी इस पद के लिए अपने मुख्य कार्यकारी एनपी सिंह को मैदान में उतारना चाहता है।

सूत्रों ने ईटी नाउ को बताया कि गोयनका मानना है कि समझौता इसी तथ्य पर आधारित था कि वह विलय की गयी इकाई का नेतृत्व करेगा, इस पर विवाद तब पैदा हुआ जब सोनी ने अपने भारत प्रमुख एनपी सिंह को विलय वाली इकाई के सीईओ के रूप में आगे बढ़ाया। सोनी चाहती है कि सिंह शीर्ष पर रहें क्योंकि बाजार नियामक सेबी ने अभी तक गोयनका को क्लीन चिट नहीं दी है।

इस नेतृत्व मुद्दे को समय सीमा से पहले हल करने की आवश्यकता है क्योंकि विलय को 21 दिसंबर तक पूरा करना होगा जो कि दोनों पक्षों के बीच हस्ताक्षरित समझौता था। जहां तक प्रक्रिया का सवाल है जी और सिंह को फाइलिंग के लिए आईएंडबी मंत्रालय में जाने की जरूरत है क्योंकि विलय को पूरा करने के लिए आरओसी के पास जाने से पहले अनुमोदन प्राप्त करना होगा। ■

INDIA'S MOST RESPECTED TRADE MAGAZINE FOR THE CABLE TV, BROADBAND, IPTV & SATELLITE INDUSTRY

SATELLITE & Cable Tv MAGAZINE

... You Know What You are doing
But Nobody Else Does

ADVERTISE NOW !

Contact: Mob.: +91-9108208956 Tel.: +91-22-6216 5313 Email: geeta.lalwani@nm-india.com